सहयोग शुल्क : रु. १/-
अगस्त : २०१७
अंक : ८

दिव्यांग सेतु

संपादक : संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

"दिव्यांगजन के लिए नवीन साधन-सहाय बनेगा स्टार्टअप इण्डिया का एक हिस्सा"

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी

"गुजरात का हर दिव्यांग विकास की ओर अग्रेसर हैं ।"

- मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी

"भारत देश में दिव्यांग विकास विकसित देशों की तरह हो रहा हैं।"

- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

निरामय हेल्थ पॉलिसी की जानकारी देकर फॉर्म भरते हुए ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट के कार्यकर

केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांगों के उत्कर्ष हेतु चलाई जा रही

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रल पाल्सी, ऑटीज़्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टीपल डिसेबिलिटी (Cerebral Palsy, Autism, Mental Retardation, Multiple Disability) से असरग्रस्त दिव्यांगों को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रु. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु. ५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगों के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इन्श्योरेन्स मिल सकता है। (निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

- सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र
  (ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)
- वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- राशन कार्ड की प्रमाणित कॉपी
- निवास स्थान का प्रमाण (राशन कार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हों तो)
- बैंक पास बुक की फोटो कॉपी (बैंक के IFSC कोड के साथ)
- उम्र का प्रमाण (वोटिंग कार्ड अथवा जन्म प्रमाण-पत्र अथवा विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र)

यह प्रीमियम ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा भरा जाएगा

दिव्यांग सेतु
मासिक पत्रिका

प्रेरणास्रोत और संपादक :
संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

सह-संपादक :
मिहिरभाई शाह
(M) 9724181999

संपर्क-सूत्र :
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)
Trust Reg. No. : E/20646/ Ahmedabad
ई - ७२, आयोजननगर सोसायटी
श्रेयस क्रोसिंग के पास
वासणा, अहमदाबाद
(M) 9974955365
9974955125

मुद्रक :
प्रिन्ट विजन प्रा. लि.
आंबावाड़ी बाजार
अहमदाबाद-६
फोन: (079) 26405200

अगस्त : २०१७
पृष्ठ संख्या : १६
वर्ष : ०१
अंक : ८

सहयोग शुल्क : रु. १ /-

संपादकीय

हमेशा हमारी यही कोशिश रहती है की 'दिव्यांग सेतु' पुस्तिका भारत के हर कोने में पहोंचे ताकि हमारे देश के लोग दिव्यांगता और उस से जुड़ी परेशानिया जैसे अनछुए पहलू को भी जाने।

कहते है चेहरा और नाम हमारी पहचान होती है, क्या आप किसी भी व्यक्ति को बिना चेहरे के पहचान सकते है ! हम किसी भी व्यक्ति को बिना चेहरे के कल्पना भी नहीं कर सकते। हमारे देश में कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के कारण तेज़ाब हमले करते है। इस हमले की शिकार ज्यादातर महिलाएं होती है। दुनिया में महिलाओं पर तेज़ाब से हमलों के सालाना १५०० मामले सामने आते है। इस में १००० के आंकड़े के साथ भारत सब देशों से आगे है। ये हमारे देश के लिए शर्म की बात है।

जहाँ कुछ लोग ऐसी दरिंदगी दिखाते है वही कुछ औरतों ने जो की ऐसे हमले का शिकार हुई थी उन्हों ने आत्मविश्वास से लोगों के सामने मिसाल कायम की है।

आज हमारी सरकार भी इस मामले को गंभीरता से ले रही है और तेज़ाब हमले से पीड़ितों को दिव्यांग अधिनियम में शामिल कर रही है।

आज हम इस अंक में तेज़ाब हमले से जुड़े ऐसे ही कुछ पहलूओं को उजागर करेंगे।

जय हिन्द

- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

तेज़ाब का हमला - एक बड़ी समस्या

तेज़ाब हमले के कारण

तेज़ाब का हमला सिर्फ़ किसी लड़की के चेहरे को ही नहीं जलाता, बल्कि इसमें उसकी आत्मा भी झुलसा जाता है। यह एक ऐसा जख्म है जो जिंदगीभर दर्द देता रहता है। हमारे यहाँ आज भी लड़कियों की समाजी स्वीकृति के लिए प्राथमिक शर्त सुंदरता है।

यह मुद्दे का मुख्य कारण स्त्रियों के प्रति पुरुषों की सामंती सोच है। पुरुष अक्सर ये बरदाश्त नहीं कर सकते की उनकी बातों को टाला जाए या उनके द्वारा दिए गए विवाह या प्रेम प्रस्ताव को ठुकराया जाए और यही बात उनको तेज़ाब फेंकने के लिए ऊकसती है।

तेज़ाब हमले के परिणाम

अंधापन , चेहरे और शरीर पे जलने के निशान , साँस लेने में तकलीफ ये सब एसिड हमले के दीर्घकालीन परिणाम होते है।

एसिड या तेज़ाब चमड़ी के साथ-साथ हड्डियों को भी नुकसान पहोंचाता है। एसिड की वजह से पलके, आंखे और होठ जो की सबसे कोमल हिस्से होते है वो पूरी तरह से जल जाते है। सर और खोपड़ी का हिस्सा जल जाने की वजह से उस जगह पे बाल नहीं आते। कान के उपास्थियों के क्षतिग्रस्त हो जाने की वजह से बेहरापन आ सकता है। नाक और मुंह की चमड़ी जल जाने की वजह से खाने और बोलने में तकलीफ होती है। एसिड हमले के लिए सामान्यतः सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड का प्रयोग होता है।

इन सभी शारीरिक तकलीफों के साथ-साथ पीड़ितों की मानसिक हालत भी बिगड़ जाती है। वे अपनी ज़िंदगी से हताश हो जाते है।

एसिड हमले के बाद प्राथमिक चिकित्सा

- एसिड से हमला प्राणघातक हो सकता है इसलिए एसिड हमले के पीड़ित को जितनी जलदी हो सके अस्पताल ले जाने से पहले प्राथमिक सारवार देना शुरू करनी चाहिए।
- सबसे जरूरी है की एसिड/ तेज़ाब से जलने पर , जलने वाले शरीर के हिस्से पर तुरंत ही बहोत सारा सादा पानी या नमक का पानी डालते रहना चाहिए जब तक की एसिड पूरी तरह से धूल जाये।

- जले हुए हिस्से को गंदे पानी से नहीं धोना चाहिए, नहीं तो वो गंभीर संक्रमण पैदा कर सकता है।
- किसी भी तरह के गहने और कपड़े एसिड लगे हिस्से से तुरंत ही दूर कर देने चाहिए।
- एसिड से जले हिस्से पे किसी भी तरह की क्रीम या ऑइल नहीं लगाना चाहिए।
- अगर मुमकिन हो तो साफ कपड़े से हलके से एसिड प्रभावित हिस्से को ढँक दे जिससे उसे धूल और कीटाणु से बचाया जा सके।
- पेशंट को तुरंत ही नज़दीकी अस्पताल में ले जाये।

एसिड हमले के बाद दिखाया आत्मविश्वास

लक्ष्मी अग्रवाल

२००५ की बात है तब लक्ष्मी की उम्र १५ साल की थी और वो सातवीं कक्षा में पढ़ रही थी। वो बड़ी होकर सिंगर बनना चाहती थी। उसकी उम्र से दुगने (३२ साल) आदमी ने उसे शादी के लिए प्रपोज़ किया तो लक्ष्मी ने उसे इंकार कर दिया। एक दिन जब वो सुबह दिल्ही के भीड़-भाड़ वाले इलाके में एक बुक-स्टॉल पर जा रही थी तब उस आदमी ने उसे धक्का देकर उस पर तेज़ाब फेंक दिया।

लक्ष्मी का चेहरा बिगाड़ने वाला उसका होंसला नहीं तोड़ सका। २०१४ में उसको मिशेल ओबामा द्वारा वीमेन करेज अवार्ड से सम्मानित किया गया। अलोक दीक्षित नामक कार्यकर्ता के साथ उनकी शादी हुई।

लक्ष्मी ने उस पर हुए हमले के बाद समाज में अपने हक के लिए आवाज़ उठानी शुरू की। आज लक्ष्मी देश में एसिड हमले से पीड़ित लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है। आज वो एक टीवी होस्ट और एक बच्ची की माता बन चूकि है।

रेशमा कुरैशी

२०१४ में रेशमा के जीजा और उनके दोस्तों ने मिल के उन पर तेज़ाब फेंका था तब वो सिर्फ़ १७ साल की थी। एक लम्बे ट्रीटमेंट के बाद रेशमा जब वापिस अपने घर आयी तो वो टूट चूकि थी। लेकिन फिर वो अपने पैरों पे खड़ी हुई और मेक लव नॉट स्केयर्स नाम की संस्था से जुड़ी। इस के तहत उन्होंने एण्ड एसिड सेल नाम के अभियान का प्रचार किया। २०१६ में वो न्यूयोर्क फैशन वीक रेम्प पे चली। एक उनका अपना YouTube चेनल है जिस पर वो मेकअप टुटोरिअल दे रही है।

रितु सैनी

रितु राज्य स्तर पर कई वॉलीबाल प्रतियोगिता में भाग ले चुकी है। २०११ में रितु जब प्रैक्टिस के लिए घर से निकली तब आरोपियों नें उसके चेहरे पर तेज़ाब फ़ेंक दिया। हादसे से उभरने के बाद वो स्टॉप एसिड अटैक नामक संस्था के साथ जुड़ गई। यह NGO देशभर में एसिड अटैक पीड़िताओं को तलाश करके उनकी मदद करता है। आज रितु शेरोज़ हैंगऑउट नामक कैफ़े में काम कर रही है।

सोनाली मुखर्जी

२००२ में सोनाली की उम्र १७ साल की थी और वो कॉलेज में पढ़ती थी। एक दिन तीन लोगों ने उसके घर में घुस कर उस पर तेज़ाब फेंक दिया क्योंकि उसने छेड़खानी के विरुद्ध आवाज़ उठाई थी। एसिड हमले में अपना चेहरा और आंखे गँवाने वाली सोनाली ने इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई थी। २०१३ में 'कौन बनेगा करोड़पति' में उसने भाग लिया था और ३० लाख रुपये जीती थी। आज उनकी शादी हो चुकी है और वो खुश है।

सरकार द्वारा उठाये गए कदम

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्री मेनका गाँधी ने कहा की तेज़ाब हमले से प्रभावित लोग स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते है और उनको हमेशा मेडिकल हेल्प की ज़रूर रहती है।

- २०१६ में संसद में दिव्यांग अधिकार विधेयक पारित किया गया, जिसमें दिव्यांगता के प्रकारों को ७ से लेकर २१ किया गया है।
- ये विधेयक पुराने दिव्यांग अधिनियम, १९९५ का स्थान लेगा।
- इस नए कानून से दिव्यांगों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण होगा।
- इस नए दिव्यांग अधिनियम, २०१६ के तहेत तेज़ाब हमले के पीड़ितों को भी दिव्यांगों को मिलने वाले सभी लाभ मिल सकते है।
- इस नए दिव्यांग अधिनियम, २०१६ के अधीन सरकारी नौकरीओ में दिव्यांगों के लिए आरक्षण ३% से बढाकर ४% कर दिया है और अब तेज़ाब हमले से पीड़ित लोग भी इस आरक्षण में नौकरियों के लिए अर्ज़ी दे सकते है।
- उपरांत दिव्यांगों को भेदभाव करने की स्थिति में ६ महीने से लेकर २ साल तक की कैद और ५,००,००० (पांच लाख) तक का जुर्माना होने का प्रावधान भी है।

आपके आस-पास अगर कोई भी दिव्यांग व्यक्ति है तो उन्हें हमेशां मददरूप बनने का प्रयत्न करे एवं हमारी संस्था का संपर्क करे ।

"दिव्यांग सेतु" मेगेजिन नि:शुल्क प्राप्त करने के लिए आप अपना पूरा नाम , पता , मोबाईल नंबर और इ-मेइल आई -डी "ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट" के पते पर भिजवाए ।

बढ़ते कदम

बढ़ते कदम अभियान के अंतर्गत 'ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट' द्वारा " डिसेबल्ड और स्पेशियली एबल्ड" विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन कॉम्पिटिशन आयोजित किया गया था। जिसमें R.G. Shah सायन्स कॉलेज के ५२ छात्रों ने भाग लिया था।

दिनांक : ११/०९/२०१६ कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए एवं दिव्यांगों के लिए विविध योजनाओं के बारे में बताई गयी विवरणिका बाँटने हेतु रेलवे स्टेशन पर तीन दिन के लिए की-ऑस्क खोला गया था।

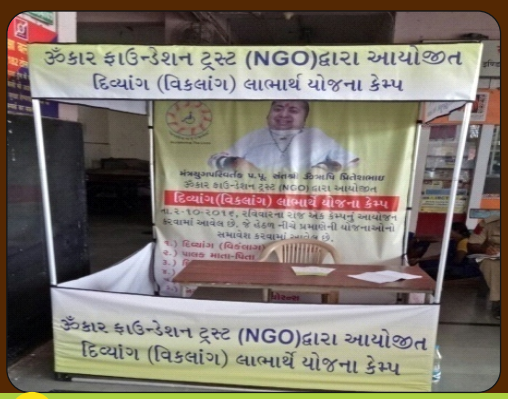

दिनांक :
२७/०९/२०१६ से २९ /०९ /२०१६
कार्य स्थल :
कालुपुर रेलवे स्टेशन, अहमदाबाद

बढ़ते कदम अभियान अंतर्गत डिसेबल्ड बेनिफिशियल केम्प

दिव्यांगों के लिए बनाई गई सरकारी योजनाए जैसे की संत-सूरदास, निरामया , साधन-सहाय वगैरे के बारे में ट्रस्ट द्वारा २५० से अधिक लोगों को जानकारी दी गयी।

दिनांक : ०२/१०/२०१६ कार्य स्थल : आयोजननगर हॉल, वासणा, अहमदाबाद

स्व-रोजगार प्रशिक्षण

ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों को स्व-रोजगार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षित किया गया, जिसमें उनको केंडल, पेपर बैग्स , ब्रेसलेट्स वगैरे, बनाना सिखाया गया। वस्तुए बनाने की सारी सामग्री ट्रस्ट द्वारा दी गयी थी।

दिनांक : ११/१०/२०१६ और १२/१०/२०१६ कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

व्यावसायिक अवसर

ट्रस्ट द्वारा दिए गए व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने के बाद दिव्यांगों को ब्रेसलेट बनाने का काम दिया जाता है जिसमें उनको रू १.५० / ब्रेसलेट लेबर ट्रस्ट द्वारा दी जाती है।

कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

दिव्यांग पतंगोत्सव

१८०० से ज्यादा दिव्यांग बच्चों ने 'ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट' द्वारा आयोजित पतंगोत्सव में हिस्सा लिया। सभी बच्चों को पतंग, कैप्स, गॉगल्स, नास्ता और दोपहर का भोजन दिया गया।

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी द्वारा इस इवेंट का उद्घाटन किया गया। गुजरात विधानसभा के वक्ता श्री रमणलाल वोरा, अहमदाबाद के मेयर श्री गौतमभाई शाह और MLA श्री राकेशभाई शाह भी इस प्रसंग पे उपस्थित रहे थे।

पतंग महोत्सव अंतर्गत श्री विजयभाई रूपाणी द्वारा 'दिव्यांग सेतु' पुस्तिका का विमोचन किया गया था।

दिनांक : ०८/०१/२०१७ कार्य स्थल : माही पार्टी प्लॉट, अहमदाबाद

निःशुल्क डेंटल चेक-अप केम्प

समित स्कूल के दिव्यांग बच्चों के लये निःशुल्क डेंटल चेक-अप केम्प 'ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट' द्वारा आयोजित किया गया। ४० से ज्यादा दिव्यांग बच्चों ने इस केम्प का लाभ उठाया।

दिनांक : २६/०१/२०१७ कार्य स्थल : समित स्कूल, अहमदाबाद

यूनिक डिसेबिलिटी ID कार्ड का पंजीकरण

यूनिक डिसेबिलिटी ID कार्ड के पंजीकरण के आवेदनपत्र भरने की जवाबदारी गुजरात सरकार ने ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट को सौंपी थी। २५०० से ज्यादा दिव्यांग लोगों के आवेदन ट्रस्ट द्वारा भरे गए।

दिनांक :२४/०१/२०१७ से ३१/०१/२०१७ कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

पॉप्युलेशन सर्विसिंग

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद के सहयोग से १००० से ज्यादा दिव्यांग लोगों ने विविध सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

शैक्षणिक तालीम

'ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट' द्वारा दिव्यांग और कम आय वाले परिवारों के बच्चों के लिए निःशुल्क कंप्यूटर क्लासीस शुरु किये गए है । ३० बच्चे कंप्यूटर सीख रहे है ।

कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

मेटल क्राफ्ट्स तालीमवर्ग

स्त्री सशक्तिकरण की दिशा में काम करते हुए ट्रस्ट द्वारा महिलाओं के लिए हथकरधा और हस्तकला, गुर्जरी, गांधीनगर, गुजरात द्वारा सबसिडाइज्ड मेटल क्राफ्ट्स के वर्गों का आयोजन किया गया था।
दिनांक : १५/०५/२०१७ से १४/०७/२०१७ कार्य स्थल : ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

'दिव्यांग सेतु' पुस्तिका

दिव्यांगों के लिए विविध सरकारी योजनाओं एवं उनसे जुड़ी खबरों के बारे जानकारी देने के लिए ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा "दिव्यांग सेतु" पुस्तिका प्रकाशित की जा रही है। ट्रस्ट की ये कोशिश रहती है की ये पुस्तिका देश के हर कोने में ज़रूरतमंद लोगों तक पहुंचे।
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट, अहमदाबाद

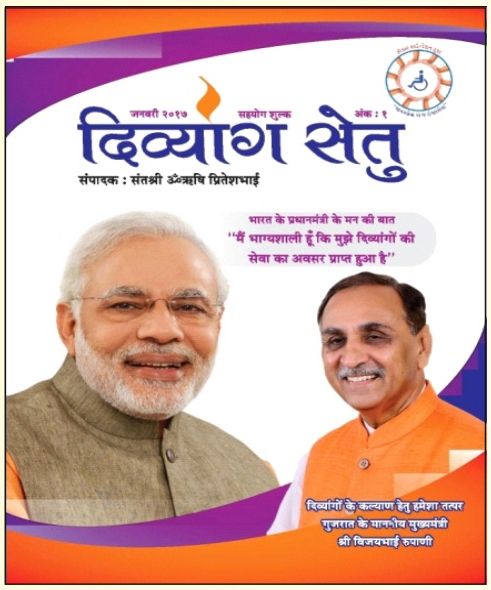

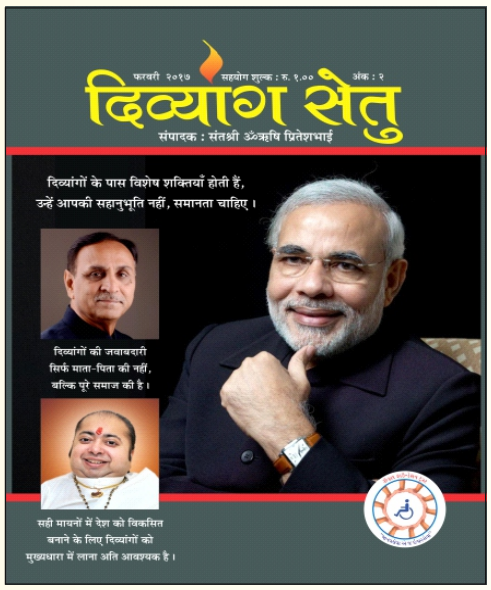

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए रखी गयी चित्र स्पर्धा के विजेताओं का मूल्यांकन निष्णात द्वारा किया गया और तीन चित्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के लिए

प्रथम पुरस्कार

मनीषा बशिता
(उपासना हरी आशरो ट्रस्ट, आदिपुर, कच्छ, गुजरात)

द्वितीय पुरस्कार

वंदन पंचाल
(सी.पी. युनिट हेल्थ एण्ड केयर फाउण्डेशन
जीवराजपार्क, अहमदाबाद, गुजरात)

तृतीय पुरस्कार

हिमांशु कलसरिया
(अंकुर स्पेशियल स्कूल, भावनगर, गुजरात)

'दिव्यांग सेतु' पत्रिका में अपना विज्ञापन देकर आप भी दिव्यांगों की मदद के पुनीत कार्य में सहभागी बन सकतें हैं ।

विज्ञापन की दरें इस प्रकार हैं

Title - 2 रु. १०,०००/-

Title - 3 रु. १०,०००/-

Title - 4 रु. १०,०००/-

आधा पेज - रु. ५,०००/-

विज्ञापन से प्राप्त समस्त राशि दिव्यांग कल्याणकारी योजनाओं में खर्च की जाएँगी ।

दिव्यांगों के लिए स्माईल ईयर
दिनांक २६ जनवरी, २०१७ से दिनांक २६ जनवरी २०१८ तक
ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट NGO के माध्यम से
क्रिस्टल डेन्टल केयर (डॉ. शाश्वत जैन एवं चिकित्सक दल)
दिव्यांगों व शहीद सैनिकों के जरुरतमंद परिवारों के लिए
नि:शुल्क जाँच एवं निदान के लिए प्रतिबद्ध है

મંત્ર યુગપરિવર્તક પ. પૂ. સંતશ્રી ઋષિ પ્રિતેશભાઇના
આશિર્વાદ અને માર્ગદર્શનથી શરુ થયેલ...

KRYSTAL DENTAL CARE

MULTISPECIALTY DENTAL CLINIC

DIGITAL SMILE DESIGN AND IMPLANT CENTRE

180, Titanium City Centre Mall, Near IOC Petrol Pump,
Anandnagar Road, Satellite, Ahmedabad - 380015

Clinic : 079 - 48008004

DSD
Digital Smile Design

Dr. Shashwat Jain

+91 99786 01890

M.D.S. - Prosthodontics (Manipal)
PGCOI - Implant Specialist
DSD - Digital Smile Design

TIMINGS :
10.00 am to 08.00pm

શ્રી પી. સી. જૈન
ચાર્ટડ એકાઉન્ટન્ટની
છત્રછાયામાં ચાલતી...

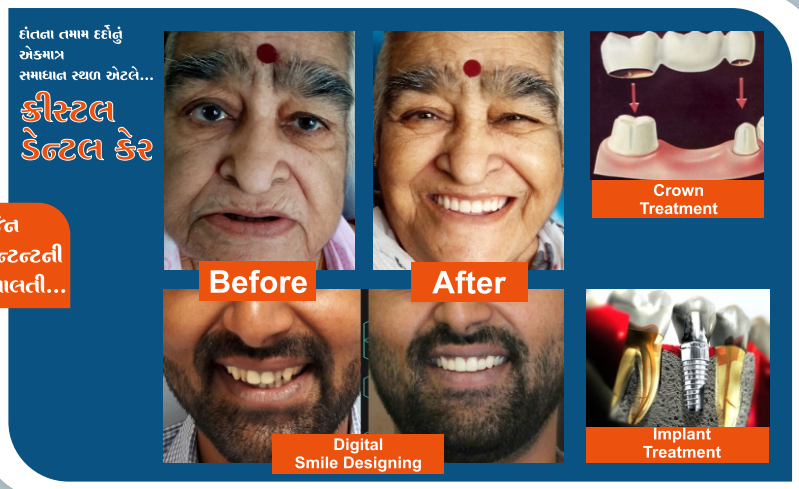

Consultant Prosthodontist
& Implantologist

- Maxillofacial Prosthetics
  - Cancer Rehabilitation
  - Trauma Rehabilitation
- Implant Rehabilitations
- Digital Smile Designing
- Full Mouth Rehabilitations
- Crowns & Veneers
- Full & Partial Dentrures

WHAT WE DO:

- Implant treatment
- Digital Smile Design
- Dentistry for aged patients
- Fixed and removable dentures
- Crowns and Veneers
- Prosthetic replacements (Eye, Ear, Nose, Fingers)
- Orthodontics
- Dentistry for Kids
- Root canal treatment
- Gum treatment
- Laser dentistry

OPG Facility available
Pick up & Drop Facility for Senior Citizens

Website : www.krystaldentalcare.com | Email: drs@krystaldentalcare.com